HD-02

December - Examination 2025
B.A. (Part-I) Examination
HINDI LITERATURE
HINDI GADYA PART-II (Katha Sahitya)
Paper : HD-02

[*Time: **3** Hours*] [*Maximum Marks: **70***]

निर्देश :– यह प्रश्न–पत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड–'अ' **7×2=14**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :– **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम **30** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न **2** अंक का है।

1. (i) 'सरस्वती' पत्रिका का प्रकाशन वर्ष बताइये।

(ii) हिंदी का पहला उपन्यास कौनसा था?

(iii) जैनेन्द्र हिंदी उपन्यास की किस धारा के लेखक थे?

(iv) 'उसने कहा था' कहानी के नायक का नाम लिखिए।

(v) 'गजाधर बाबू' किस कहानी के पात्र हैं?

(vi) मुंशी जी निर्मला को प्रसन्न करने के लिए क्या करते थे?

(vii) स्वयं प्रकाश किस विचारधारा के पक्षधर थे?

खण्ड–'ब' **4×7=28**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :– **किन्हीं चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **200** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न **7** अंक का है।

2. निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए –

''जब किसी तरह रहा न गया, उसने जबरा को धीरे से उठाया और उसके सिर को थपथपा कर उसे अपनी गोद में सुला लिया। कुत्ते की देह से जाने कैसी दुर्गन्ध आ रही थी, पर वह उसे अपनी गोद में चिपटाए हुए ऐसे सुख का अनुभव कर रहा था। जो इधर महीनों से उसे न मिला था। जबरा शायद समझ रहा था कि स्वर्ग यहीं हो, और हल्कू की पवित्र आत्मा में तो उस कुत्ते के प्रति घृणा की गंध तक न थी। अपने किसी अभिन्न मित्र या भाई को भी वह इतनी ही तत्परता से गले लगाता। वह अपनी दीनता से आहत न था, जिसने आज उसे इस दशा में पहुँचा दिया। नहीं इस अनोखी मैत्री ने जैसे उसकी आत्मा के सब द्वार खोल दिए थे और उसका एक–एक अणु प्रकाश से चमक रहा था।''

3. निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए –

''उन्होंने अनुभव किया कि वह पत्नी व बच्चों के लिए केवल धनोपार्जन के निमित्त मात्र हैं। जिस व्यक्ति के अस्तित्व से पत्नी माँग में सिंदूर डालने की अधिकारी है, समाज में उसकी प्रतिष्ठा है, उसके सामने वह दो वक्त भोजन की थाली रख देने से सारे कर्त्तव्य से छुट्टी पा जाती है। वह घी और चीनी के डिब्बों में इतनी रमी हुई है कि अब वही उनकी संपूर्ण दुनिया बन गई है।''

4. निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए –

''मातृ प्रेम में कठोरता होती थी, लेकिन मृदुलता से मिली हुई। इस प्रेम में करूणा थी, पर वह कठोरता न थी जो आत्मीयता का गुप्त संदेह है। स्वस्थ अंग की परवाह कौन करते हैं? लेकिन वह अंग जब किसी वेदना से टपकने लगता है तो उसे ठेस और धक्के से बचाने का यत्न किया जाता है। बालक का करुण रोदन निर्मला को उसके अनाथ होने की सूचना दे रहा था।

5. 'चीफ की दावत' कहानी के वातारण–परिवेश पर प्रकाश डालिए।
6. 'पुरस्कार' कहानी की नायिका की चारित्रिक विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।
7. कहानी और उपन्यास के मध्य अंतर स्पष्ट कीजिए।
8. 'महाभोज' उपन्यास में चित्रित राजनैतिक वातावरण को उल्लेखित कीजिए।
9. 'मनोविश्लेषणात्मक' उपन्यासों पर एक लेख लिखिए।

खण्ड–'स' **2×14=28**

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :– **किन्हीं दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **500** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न **14** अंक का है।

10. प्रेमचंद युगीन उपन्यासों पर एक लेख लिखिए।
11. 'महाभोज' उपन्यास की तात्त्विक समीक्षा प्रस्तुत कीजिए।
12. 'पत्नी' कहानी के कथानक को स्पष्ट करते हुए जैनेन्द्र की कहानी कला की विशेषताएं बताइये।
13. निम्न में से किसी दो पर टिप्पणीयाँ लिखिए –

    (i) कथाकार भीष्म साहनी

    (ii) सचेतन कहानी

    (iii) ऐतिहासिक उपन्यास

    (iv) नयी कहानी